टायर होंगे 10 फीसदी...

सूत्रों ने बताया कि अगले सप्ताह किसी भी दिन इस आशय का सर्कुलर जारी हो सकता है। देश में 6पीपीडी केमिकल बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी नोसिल ने इस बारे में दो साल पहले मामला उठाया था। उसके बाद कोलकाता की कंपनी पीएमसी रबर केमिकल्स इंडिया, थाणे की कंपनी लेनकेस इंडिया, कोच्चि की कंपनी मेकेम लिमिटेड आदि ने भी मामले को उठाया और डीजी सेफगार्ड के समक्ष याचिका डाल दी। उनका कहना था कि अमेरिका, जर्मनी, स्लोवाक, चीन, कोरिया और बेल्जियम आदि देशों से आने वाले सस्ते 6पीपीडी के कारण उनका बाजार हिस्सा तेजी से गिर रहा है। आयातित 6पीपीडी दरअसल घरेलू केमिकल के मुकाबले सस्ता है, इसलिए उनकी बिक्री काफी घट गई है। हालांकि, इस केमिकल पर सेफगार्ड ड्यूटी लग जाने से आयातित 6पीपीडी के मुकाबले देशी केमिकल सस्ता पड़ेगा। 6पीपीडी आयात करने वाली प्रमुख कंपनियों में कोलकाता की कंपनी जेके इंडस्ट्रीज, मुंबई की कंपनी सिएट, कोच्चि की कंपनी अपोलो टायर्स, कोलकाता की कंपनी बिड़ला टायर्स, चेन्नई की कंपनी एमआरएफ टायर्स, लुधियाना की कंपनी मेट्रो टायर्स और पोद्दार टायर्स, दिल्ली की कंपनी राइसन इंडिया आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यूं तो टायर उद्योग में कच्ची रबर की कीमत से ही टायर की कीमत तय होती है, लेकिन कमिकलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस केमिकल पर सेफगार्ड ड्यूटी की वजह से टायरों की कीमतों में अधिकतम 10 फीसदी तक का इजाफा होगा। वर्ष 2010-11 में यहां 15,691 टन 6पीपीडी केमिकल की खपत हुई थी जिसमें से आधे से ज्यादा का आयात किया गया था।